ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

8-03-2026

समस्याओं का काम है आना, निश्चय बुद्धि आत्मा का काम है समाधान स्वरूप से समस्या को परिवर्तन करना। क्यों ? आप हर ब्राह्मण आत्मा ने ब्राह्मण जन्म लेते ही माया को चैलेन्ज किया है कि हम माया जीत बनने वाले हैं। तो समस्या का स्वरूप माया का स्वरूप है। जब चैलेन्ज किया है तो माया सामना तो करेगी, लेकिन आप उसे निश्चय बुद्धि विजयी स्वरूप से नथिंग न्यु समझकर पारकर लो तो बेफिकर बादशाह रहेंगे।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

It is the duty of problems to come and the duty of a soul whose intellect has faith to become an embodiment of solutions and to transform problems. Why? As soon as each of you Brahmin souls took birth, you challenged Maya that you would become a conqueror of Maya. The form of a problem is a form of Maya. Since you have challenged her, Maya will definitely oppose you. However, with your victorious form and with your intellect having faith, consider everything to be 'nothing new' and overcome the situations and you will remain a carefree emperor.